सामाजिक विज्ञान

(भूगोल)

अध्याय-6: मानव संसाधन

SHIVOM CLASSES
8696608541

जनसंख्या का वितरण

भूपृष्ठ जिस प्रकार लोग फैले हैं, उसे जनसंख्या वितरण का प्रतिरूप कहते हैं। विश्व की जनसंख्या का 90 प्रतिशत से अधिक भाग भूपृष्ठ के लगभग 30 प्रतिशत भाग पर निवास करता है। जनसंख्या का वितरण अत्यंत आसमान है। कुछ क्षेत्र बहुत घने बसे हैं और कुछ विरल बसे क्षेते हैं।

विश्व के घनी आबादी वाले देश

1. चीन
2. भारत
3. यू.एस.ए.
4. इंडोनेशिया
5. ब्राजील
6. पाकिस्तान
7. बांग्लादेश
8. नाइजीरिया
9. रूस
10. जापान

विश्व की वर्तमान जनसंख्या 7.7 अरब है।

क्षेत्रफल के अनुसार विश्व के 10 सबसे बड़े देश

1. **रूस -** क्षेत्रफल: 17,075,400 वर्ग कि.म
2. **कनाड -** क्षेत्रफल: 9,984,670 वर्ग कि.मी
3. **संयुक्त राज्य अमरीका -** क्षेत्रफल: 9,826,675 वर्ग कि.मी
4. **चीन -** क्षेत्रफल: 9,598,094 वर्ग कि.मी
5. **ब्राज़ील -** क्षेत्रफल: 8,514,877 वर्ग कि.मी
6. **ऑस्ट्रेलिया -** क्षेत्रफल: 7,617,930 वर्ग कि.मी
7. **भारत -** क्षेत्रफल: 3,287,263 वर्ग कि.मी

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

विश्व की कुल जनसंख्या के लगभग तीन - चौथाई लोग दो महाद्विपों एशिया और अफ्रीका में रहते हैं।

विश्व के 60 प्रतिशत लोग केवल दस देशों में रहते हैं। इन सभी देशों में 10 करोड़ से अधिक लोग रहते हैं।

उच्च अक्षांशीय क्षेत्रों, उष्णकटिबन्धीय मरुस्थलों, उच्च पर्वतों, विषुवतीय वनों के क्षेत्रों में बहुत कम लोग रहते हैं। और दक्षिण और दक्षिण - पूर्वी एशिया, यूरोप और उत्तर - पूर्वी उत्तर अमेरिका घने बसे क्षेत्र है।

भारत मे जनसंख्या का औसत घनत्व 324 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर है।

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

अवधारणा मानचित्र

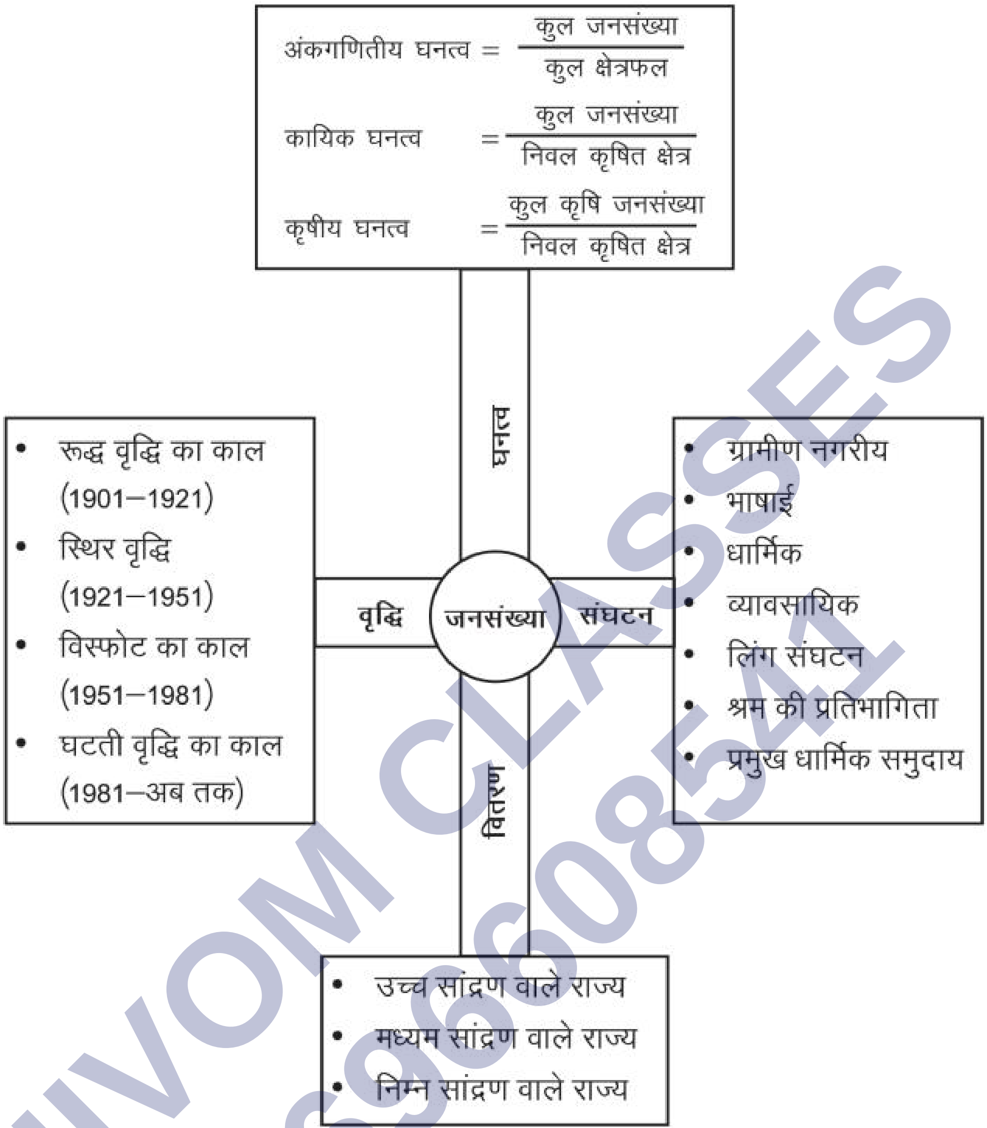

जनसंख्या का घनत्व :- पृथ्वी पृष्ठ के एक इकाई क्षेत्र में रहने वाले लोगों की संख्या को जनसंख्या का घनत्व कहते हैं। सामान्य रूप से यह प्रतिवर्ग किलोमीटर में व्यक्त किया जाता है।संपूर्ण विश्व का औसत जनसंख्या घनत्व 45 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर है। सबसे अधिक जनसंख्या घनत्व दक्षिण मध्य एशिया में है, इसके पश्चात क्रमशः पूर्वी एशिया एवं दक्षिण पूर्वी एशिया में है।

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

जनसंख्या वितरण को प्रभावित करने वाले कारक

भौगोलिक कारक :-

- **स्थलाकृति :-** लोग मैदानी भागों में ही रहना पसंद करते हैं क्योंकि ये क्षेत्र खेती, विनिर्माण और सेवा क्रियाओं के लिए उपयुक्त होते हैं।
- **जलवायु :-** लोग सामान्य जलवायु में रहना ज्यादा पसंद करते है।
- **मृदा :-** उपजाऊ मृदाएँ कृषि के लिए उपयुक्त भूमि प्रदान करती हैं। भारत – गंगा मैदान ।
- **जल :-** लोग उन क्षेत्रों में रहने को प्राथमिकता देते हैं जहाँ अलवणीय जल आसानी से उपलब्ध होता है।
- **खनिज :-** खनिज निक्षेपों वाले क्षेत्र अधिक बसे हुए हैं। अफ्रीका में हीरे की खानें ।

सामाजिक, संस्कृतिक और आर्थिक कारक

- **सामाजिक कारक :-** अच्छे आवास, शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं के क्षेत्र अत्यधिक घने बसे हैं , उदहारण के लिए पुणे ।
- **संस्कृतिक कारक :-** धर्म और सांस्कृतिक महत्ता वाले स्थान लोगों को आकर्षित करते हैं। उदाहरण के लिए वाराणसी।
- **आर्थिक कारक :-** औद्योगिक क्षेत्र रोजगार के अवसर प्रदान करते हैं। लोग बड़ी संख्या में इन क्षेत्रों की ओर आकर्षित होते हैं। उदाहरण के लिए मुबंई ।

जीवन प्रत्याशा :- यह उन वर्षों की संख्या है जिसमें औसत व्यक्ति के जीवित रहने की आशा की जा सकती है।

जनसंख्या परिवर्तन

जनसंख्या परिवर्तन से तात्पर्य एक निश्चित अवधि के दौरान लोगों की संख्या में परिवर्तन से है।

जन्म और मृत्यु की संख्या में परिवर्तन के कारण है। 1800 में विश्व की जनसंख्या एक अरब हो गयी थी। 150 वर्षों बाद 1950 के प्रारंभ में विश्व की जनसंख्या 3 अरब पहुंच गई । इसे प्रायः

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

जनसंख्या विस्फोट कहते हैं। 1999 में, 50 वर्ष में कई अवधि से कम में जनसंख्या दुगुनी 6 अरब ही गई। इसका मुख्य कारण खाद्य आपूर्ति एवं औषधियों के कारण मृत्यु दर कम होना है। जबकि जन्म दर अभी भी बहुत अधिक रही।

जन्मदर :- प्रति 1000 व्यक्तियों पर जीवित जन्मों की संख्या में मापा जाता है।

मृत्युदर :- प्रति 1000 व्यक्तियों पर मृतकों की संख्या में मापा जाता है।

प्रवास :- किसी क्षेत्र विशेष में लोगों के आने - जाने को प्रवास कहते हैं।

प्राकृतिक वृद्धि :- जन्म और मृत्यु जनसंख्या परिवर्तन के प्राकृतिक कारण हैं।

उत्प्रवासी :– वे लोग होते हैं जो देश को छोड़ते हैं।

आप्रवासी :- वे लोग होते हैं जो देश मे आते हैं।

प्रवास के कारण :- रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य, सुविधा

1. **जनसंख्या परिवर्तन के प्रतिरूप :-** जनसंख्या वृद्धि की दर विश्व मे अलग-अलग है। केन्या में जनसंख्या वृद्धि दर ऊँची है। उन देशों में जन्म दर और मृत्यु दर दोनों ही उच्च हैं। यूनाइटेड किंगडम में निम्न जन्मदर और मृत्यु दर के कारण जनसंख्या वृद्धि की दर मंद है।
2. **जनसंख्या संघटन :-** एक संसाधन के रूप में लोगों की भूमिका को समझने के लिए हमें उनके गुणों के बारे में जानने की आवश्यकता होती है। लोग अपनी आयु, लिंग, साक्षरता स्तर, स्वास्थ्य दशाओं, व्यवसाय और आय के स्तर पर एक - दूसरे से भिन्न होते हैं। लोगों की इन विशेषताओं के बारे में जानना आवश्यक है। जनसंख्या संघटन की संरचना को दर्शाता है।

   जनसंख्या संघटन हमारी यह जानने में सहायता करता है कि कितने पुरूष हैं और कितनी स्त्रियाँ हैं, वे किस आयु वर्ग के हैं, कितने शिक्षित हैं और वे किस प्रकार के व्यवसाय में लगे हैं, उनकी आय का क्या स्तर है और स्वास्थ्य दशाएँ कैसी हैं।

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

3. **जनसंख्या पिरामिड :–** एक देश जनसंख्या संघटन का अध्ययन करने की एक रुचिकर विधि ' जनसंख्या पिरामिड ' है जिसे आयु लिंग पिरामिड भी कहते हैं। एक जनसंख्या पिरामिड दर्शाता है
   i. कुल जनसंख्या विभिन्न आयु वर्गों में विभाजित है, उदाहरणार्थ 5 से 9 वर्ष , 10 से 14 वर्ष
   ii. कुल जनसंख्या का प्रतिशत इन वर्गों में से प्रत्येक वर्ग में पुरुष और स्त्रियाँ उपविभाजित हैं।
      - 15 से कम आयु के युवा आश्रित है।
      - 65 वर्ष से अधिक आयु के लोग वृद्ध आश्रित है।
      - 15-65 आयु वर्ग कार्यरत है जो सक्रिय वर्ग में है।

एक देश की जनसंख्या पिरामिड जिसमें जन्म दर और मृत्यु दर दोनों ही ऊँचे हैं, आधार पर चौड़ा है और ऊपर तीव्रता से सँकरा हो जाता है । ऐसा इसलिए है कि बच्चे जन्म लेते हैं उनमें से अधिकतर की मृत्यु शैशव काल मे ही हो जाती है कुछ ही बड़े हो पाते है

जिन देशों में मृत्यु दर (विशेष रूप से बहुत छोटे बच्चों में) कम हो रहा है युवा आयु वर्ग का पिरामिड चौड़ा है क्योंकि शिशु प्रौढ़ावस्था तक जीवित रहते हैं। यह भारत के पिरामिड में दृषिटगोचर होता है ।

इस प्रकार की जनसंख्या में युवा सापेक्षत: अधिक हैं इसका अर्थ मज़बूत और वर्धमान बढ़ती हुई श्रम शक्ति है।

कुशल, उत्साही, आशावादी और सकारात्मक दृष्टि जैसे युवा जन किसी राष्ट्र के भविष्य होते हैं। हम भारतवासी भाग्यशाली हैं कि हमारे पास एक ऐसा संसाधन है। उन्हें योग्य एवं उत्पादक बनाने के लिए कुशल बनाने और अवसर प्रदान करने के लिए अवश्य ही शिक्षित किया जाना चाहिए।

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

NCERT SOLUTIONS

प्रश्न (पृष्ठ संख्या 70)

प्रश्न 1 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :-

1. लोगों को एक संसाधन क्यों समझा जाता है ?
2. विश्व में जनसंख्या के असमान वितरण के क्या कारण हैं ?
3. विश्व की जनसंख्या अत्यंत तीव्रता से बढ़ रही है। क्यों ?
4. जनसंख्या परिवर्तन को प्रभावित करने वाले किन्हीं दो कारकों को भूमिका का वर्णन कीजिए।
5. जनसंख्या संघटन से क्या तात्पर्य है ?
6. जनसंख्या पिरामिड क्या है ? ये किसी देश की जनसंख्या को समझने में किस प्रकार मदद करते हैं ?

उत्तर –

1. लोग एक ही राष्ट्र के सबसे बड़े संसाधन होते है। प्रकृति की देन केवल उस समय महत्वपूर्ण होती है जब वह लोगों के लिए उपयोगी होती है। लोग अपनी आवश्यकताओं और योग्यताओं से प्रकृति द्वारा दी गई देन को संसाधन में परिवर्तित कर देते है। स्वस्थ, शिक्षित और अभिप्रेरित लोग अपनी आवश्यकतओं के अनुरूप संसाधनों का विकास करते है। इस प्रकार मानव संसाधन ही अंतिम संसाधन है।
2. पृथ्वी पृष्ठ के एक इकाई क्षेत्र में रहने वाले लोगों की संख्या को जनसंख्या का घनत्व कहते कि, लेकिन संसार में सभी जगह जनसंख्या का वितरण तथा घनत्व एक सामान नहीं है। जनसंख्या के असमान वितरण के निम्नलिखित कारण है, जैसे:-
   भौगोलिक कारक :-
   - **स्थलाकृति :-** लोग सदैव पर्वतों और पठारों की तुलना में मैदानी भागों में ही रहना पसंद करते हैं क्योंकि ये क्षेत्र खेती , विनिर्माण और सेवा क्रियाओं के लिए उपयुक्त होते हैं। गंगा के मैदान विश्व के सबसे अधिक घने बसे क्षेत्र हैं जबकि एंडीज़, आल्पस और हिमालय जैसे पर्वत विरल बसे हुए हैं।

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

- **जलवायु :** लोग सामान्य रूप से चरम जलवायु जो अत्यधिक गरम अथवा अत्यधिक ठंडी जैसे सहारा मरुस्थल, रूस के ध्रुवीय प्रदेश, कनाडा और अंटार्कटिक में रहने से बचते हैं।
- **मृदा :** उपजाऊ मृदाएँ कृषि के लिए उपयुक्त भूमि प्रदान करती हैं। भारत में गंगा और ब्रह्मपुत्र, चीन में ह्वांग ही, चांग जियांग तथा मिस्र में नील नदी के उपजाऊ मैदान घने बसे हुए क्षेत्र हैं।
- **जल :** लोग उन क्षेत्रों में रहने को प्राथमिकता देते हैं जहाँ अलवणीय जल आसानी से उपलब्ध होता है। विश्व की नदी घाटियाँ घने बसे क्षेत्र हैं जबकि मरुस्थल विरल जनसंख्या वाले हैं।
- **खनिज :** खनिज निक्षेपों वाले क्षेत्र अधिक बसे हुए हैं। दक्षिणी अफ्रीका की हीरे की खानें और मध्य पूर्व में तेल की खोज ने इन क्षेत्रों में लोगों को रहने के लिए प्रेरित किया है।

सामाजिक , सांस्कृतिक और आर्थिक कारक :-

- **आर्थिक कारक :-** औद्योगिक क्षेत्र रोजगार के अवसर प्रदान करते हैं। लोग बड़ी संख्या में इन क्षेत्रों की ओर आकर्षित होते हैं। जापान में ओसाका और भारत में मुंबई दो घने बसे क्षेत्र हैं।
- **सांस्कृतिक कारक :-** धर्म और सांस्कृतिक महत्ता वाले स्थान लोगों को आकर्षित करते हैं। वाराणसी और वेटिकन सिटी इसके कुछ उदाहरण हैं।
- **सामाजिक कारक :-** अच्छे आवास , शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं के क्षेत्र अत्यधिक घने बसे हैं , उदाहरण के लिए पुणे।

3. ऐसा वास्तव में जन्म और मृत्यु की संख्या में परिवर्तन के कारण हुआ है। मानव इतिहास की लंबी अवधि में, सन 1800 तक विश्व की जनसंख्या धीरे – धीरे बढ़ी है। बड़ी संख्या में बच्चे जन्म लेते थे जाती थी । सन 1820 में, विश्व की जनसंख्या एक अरब हो गई थी। 150 वर्षों बाद, 1970 के प्रारंभ में विश्व की जनसंख्या 3 अरब पहुँच गई। इसे प्रायः जनसंख्या विस्फोट कहते हैं। 1999 में, 30 वर्ष की अवधि से कम में जनसंख्या दुगुनी 6 अरब हो गई। इस वृद्धि का मुख्य कारण खाद्य आपूर्ति एवं औषधियों के कारण मृत्यु दर कम होना है। जबकि जन्म दर अभी भी बहुत अधिक रही।

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

4. जनसंख्या परिवर्तन को प्रभावित करने वाले दो कारक जन्म और मृत्यु जो कि प्राकृतिक कारण है तथा दूसरा अंतर्राष्ट्रीय प्रवास।
   जनसंख्या के बढ़ने कारक मुख्य कारण प्राकृतिक वृद्धि दर कारक तीव्रता से घटना या बढ़ना है। प्रवास एक अन्य कारण है जिससे जनसंख्या के आकार में परिवर्तन होता है। अंतर्राष्ट्रीय प्रवास की सामान्य प्रवृत्ति यह है कि लोग अच्छे आर्थिक अवसरों की खोज में कम विकसित राष्ट्रों से अधिक विकसित राष्ट्रों में चले जाते है। देशों के अंदर बड़ी संख्या में लोग रोजगार, शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं की खोज में ग्रामीण क्षेत्रों से नगरीय क्षेत्रों की ओर चले जाते है।
5. जनसंख्या संघटन से तात्पर्य यह है कि एक संसाधन के रूप में लोगों की भूमिका को समझने के लिए हमें उनके गुणों के बारे में जानने की आवश्यकता होती है। लोग अपनी आयु, लिंग, साक्षरता स्तर, स्वास्थ्य दशाओं, व्यवसाय और आय के स्तर पर एक – दूसरे से भिन्न होते हैं। लोगों की इन विशेषताओं के बारे में जानना आवश्यक है। जनसंख्या संघटन जनसंख्या की संरचना को दर्शाता है।
6. एक देश के जनसंख्या संघटन का अध्ययन करने की एक रुचिकर विधि को 'जनसंख्या पिरामिड' कहते है। इसे 'आयु लिंग पिरामिड' भी कहते है क्योंकि यह कितने पुरुष और कितनी स्त्रियां है इसके साथ वे किस आयु वर्ग के है ये भी दर्शाते है।

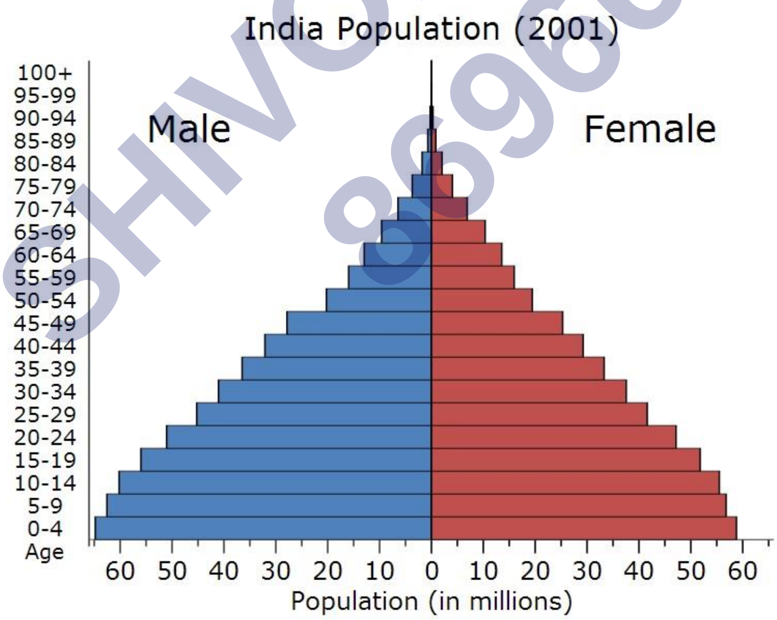

यह किसी भी उस विशिष्ट देश में रहने वाले लोगों की जनसंख्या को समझने में मदद करते है।

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

- बच्चों तथा वृद्धों की संख्या :- यह बच्चों की संख्या (15 वर्ष से नीचे) और वृद्धों (65 वर्ष या उससे ऊपर) की संख्या को दर्शाता है। बच्चों की संख्या निचले भाग में दिखाई गई है और यह जन्म के स्तर को दर्शाती है।
- आश्रित और कार्यशील जनसंख्या :- यह पिरामिड किसी भी देश में आश्रित तथा कार्यशील लोगों की संख्या को बताता है। युवा आश्रित लोग (15 वर्ष से कम आयु के) और वृद्ध आश्रित लोग (65 वर्ष से अधिक आयु के) आश्रित आयु जनसंख्या के अंतर्गत आते है।
- उच्च जन्म दर तथा उच्च मृत्यु दर :- जिन देशों में मृत्यु दर (विशेष) रूप से बहुत छोटे बच्चों में) कम हो रही है , युवा आयु वर्ग का पिरामिड चौड़ा है क्योंकि शिशु प्रौढ़ावस्था तक जीवित रहते हैं। यह भारत के पिरामिड में दृष्टिगोचर होता है। इस प्रकार की जनसंख्या में युवा सापेक्षतः: अधिक है इसका अर्थ मजबूत और वर्धमान बढ़ती हुई श्रम शक्ति है।

प्रश्न 2 सही को चिह्नित कीजिए :-

1. जनसंख्या वितरण शब्द से क्या तात्पर्य है ?
   (क) किसी विशिष्ट क्षेत्र में समय के साथ जनसंख्या में किस प्रकार परिवर्तन होता है।
   (ख) किसी विशिष्ट क्षेत्र में जन्म लेने करने वाले लोगों की संख्या के संदर्भ में मृत्यु प्राप्त करने वाले लोगों की संख्या।
   (ग) किसी दिए हुए क्षेत्र में लोग किस रूप में वितरित हैं।
2. वे तीन मुख्य कारक कौन से हैं जिनसे जनसंख्या में परिवर्तन होता है ?
   (क) जन्म, मृत्यु और विवाह
   (ख) जन्म, मृत्यु और प्रवास
   (ग) जन्म, मृत्यु और जीवन प्रत्याशा
3. 1999 में विश्व की जनसंख्या हो गई :-
   (क) 1 अरब
   (ख) 3 अरब
   (ग) 6 अरब
4. जनसंख्या पिरामिड क्या है ?

उत्तर –

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

SHIVOM CLASSES 8696608541

1. (ग) किसी दिए हुए क्षेत्र में लोग किस रूप में वितरित है।
2. (ख) जन्म, मृत्यु और प्रवास
3. (ग) 3 अरब
4. (क) जनसंख्या का आयु लिंग संघटन का आलेखीय निरूपण

प्रश्न 3 नीचे दिए शब्दों का उपयोग करके वाक्यों को पूरा कीजिए :-

विरल, अनुकूल, परती, कृत्रिम, उर्वर, प्राकृतिक, चरम, घना।

जब लोग किसी क्षेत्र की ओर आकर्षित होते हैं तब वह ______ बसा हुआ बन जाता है । इसे प्रभावित करने वाले कारकों के अंतर्गत ______ जलवायु _______ संसाधनों की आपूर्ति और _____ ज़मीन आते हैं।

उत्तर –

जब लोग किसी क्षेत्र की ओर आकर्षित होते हैं तब वह घना बसा हुआ बन जाता है। इसे प्रभावित करने वाले कारकों के अंतर्गत अनुकूल जलवायु प्राकृतिक संसाधनों की आपूर्ति और उर्वर ज़मीन आते है।

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)